

समक्ष श्रीमान अध्यक्ष महोदय राजस्व मण्डल केंद्र भोपाल म0प्र0
PBR/ निगरानी/भोपाल/शु.र/२०१७/३३५५

जगदीश प्रसाद मीणा
आत्मज बाबूलाल मीणा
आयु लगभग 50 वर्ष निवासी
ग्राम इजगिरी तहसील
बैरसिया जिला भोपाल

विरुध

रिवीजनकर्ता

नारायण सिंह आत्मज बाबूलाल
निवासी ग्राम इजगिरी तहसील
बैरसिया जिला भोपाल

रेस्पाण्डेंट

शु. 28-8-17
आत्मज बाबूलाल मीणा

प्राप्त

शु. 28-8-17

रिवीजन अंतर्गत धारा- 50 मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता

रिवीजनकर्ता माननीय तहसीलदार महोदय तहसील बैरसिया जिला भोपाल के द्वारा प्रकरण क्रमांक 25/ए-6/16-17(नारायण सिंह विरुध सर्व साधारण) मे पारित आदेश दिनांक 23-06-2017 से क्षुब्ध एवं दुखित होकर निम्न तथ्यो एवं आधारो पर यह रिवीजन प्रस्तुत करता है।

प्रकरण के तथ्य

1- यह कि विवादित भूमि जो खसरा क्रमांक 88/2/4 रकबा 0.238 हेक्टर व खसरा 88/4/1 रकबा 0.583 हेक्टर, खसरा क्रमांक 1.598 हेक्टर स्थित ग्राम इजगिरी तहसील बैरसिया जिला भोपाल मे है तथा उपरोक्त भूमि उमराव सिंह जी के नाम पर राजस्व रिकार्ड में दर्ज थी तथा उमरावसिंह जी की दो संतानें एक बापूलाल तथा दूसरी हरीसिंह थी और उमरावसिंह जी ने अपने दोनों पुत्रों के नाम उपरोक्त भूमियों का बटवारा बराबर बराबर भाग में कर दिया था तथा बापूलाल के चार पुत्र अवधनारायण, नारायणसिंह, जगदीश प्रसाद, रमेशप्रसाद हैं और हरिसिंह की कोई संतान नहीं थी।

2- यह कि बापूलाल ने आज से लगभग 20-22 वर्ष पूर्व अपने चारों पुत्रों को अपने हिस्से की भूमि का बराबर बराबर हिस्सों में बटवारा कराया था और हरीसिंह जो कि निःसंतान थे के हिस्से की भूमि पर से भी बापूलाल के चारों पुत्र संयुक्त रूप से कृषि कार्य करते रहे हैं और हरीसिंह को भी अपने पिता तुल्य मानते थे और उनकी देखरेख करते थे तथा हरीसिंह ने भी अपने हिस्से की भूमि का बटवारा बापूलाल के पुत्रों को बराबर बराबर रूप में समाज के लोगों और रिश्तेदारों की उपस्थित में कर दिया था।

3- यह कि नारायण सिंह ने एक नामान्तरण आवेदन इस आशय का माननीय अधिनस्थ तहसीलदार महोदय तहसील बैरसिया जिला-भोपाल के समक्ष प्रस्तुत किया कि हरिसिंह उसके चाचा है और हरिसिंह ने एक बटवारा भूमि संख्या नं० ००/२/४ रकबा

129

न्यायालय, राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

169

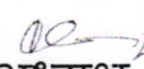
अनुवृत्ति आदेश प्रपत्र

प्रकरण क्रमांक पीबीआर/निग/भोपाल/भूरा/2017/3344

[जगदीश/नारायणसिंह]

स्थान व दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
26-3-18	<p>आवेदक अधिवक्ता श्री नागेश्वर राव तथा अनावेदक अधिवक्ता श्री आर0एस0मीना उपस्थित । अभिलेख का अवलोकन किया गया । यह निगरानी तहसीलदार के अंतरिम आदेश दिनांक 23-6-2017 के विरुद्ध इस न्यायालय में प्रस्तुत की गई जबकि तहसीलदार के द्वारा दिनांक 16-8-2017 को प्रकरण में अंतिम आदेश पारित किया जा चुका है । इस संबंध में अनावेदक के द्वारा प्रमाण प्रस्तुत किया गया कि तहसीलदार के आदेश के विरुद्ध आवेदक द्वारा अपील भी अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत की जा चुकी है । ऐसी स्थिति में अब यह निगरानी अंतरिम आदेश के विरुद्ध होने से निरर्थक हो गई है। अतः निगरानी प्रकरण समाप्त किया जाता है ।</p>	




अध्यक्ष